DIVINE
CIVIL SERVICES ACADEMY

RAS
Prelims Practice Book

राजस्थान का भूगोल

- टॉपिक वाइज़ अभ्यास प्रश्न
- नये जिलों के अनुरूप
- प्रामाणिक स्त्रोतों पर आधारित

700+ अभ्यास प्रश्न
(विस्तृत व्याख्या सहित)

राजस्थान प्रैक्टिस सीरीज़ की 4 पुस्तकों की श्रृंखला की दूसरी कड़ी

DIVINE
CIVIL SERVICES ACADEMY

Divine Civil Services Academy के ऐप पर उपलब्ध प्रमुख कोर्सेज़

Rank Improvement Program for RAS Mains

- 500+ घंटो की कक्षाएँ
- प्रसिद्ध अध्यापकों द्वारा अध्यापन
- टॉपिक वाइज़ नोट्स
- 3 वर्ष की वैद्यता अवधि
- मेंटरशिप सपोर्ट

RAS Mains Paper 4th Target 130+ Marks

English : Prof. B. K. Rastogi

Hindi : Sh. Akhilesh Sharma

- 100+ घंटो की कक्षाएँ
- टॉपिक वाइज़ नोट्स
- 3 वर्ष की वैद्यता अवधि

RAS Prelims Test Series 2023

- Strategic Coverage of Complete Syllabus
- High Quality Questions
- Detailed Explanation Sheet for Revision

RAS Mains Test Series 2023

- Strategic Coverage of Complete Syllabus
- High Quality Questions Prepared by our Teachers
- Video Solution by our Expert Faculties
- Scientific Evaluation Methodlogy

Scan QR for our app

For more information Call:

900-900-3843

Publisher :
Divine Civil Services Academy
Main Triveni Chauraha, Gopalpura Bypass,
Jaipur-302018 • Mob.: 900-900-3843
www.divinecivilacademy.com
email: divinecivilacademy@gmail.com

© Publisher

for Trade Orders :
College Book Centre
Jaipur-4 (Raj.)
Mob.: 9001072000

RAS प्रारंभिक परीक्षा में 'राजस्थान का भूगोल' से पूछे गये प्रश्नों का ट्रेंड

विषयवस्तु	वर्ष		
	2021	2018	2016
राजस्थान - एक सामान्य परिचय	–	2	–
प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएँ	2	2	3
जलवायु की विशेषताएँ	1	1	–
प्रमुख नदियाँ एवं झीलें	1	–	1
प्राकृतिक वनस्पति एवं मृदा	3	1	1
प्रमुख फसलें : गेहूँ, मक्का, जौ, कपास, गन्ना एवं बाजरा	–	–	–
प्रमुख उद्योग	2	1	1
प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ एवं जल संरक्षण तकनीके	1	1	1
जनसंख्या : वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं प्रमुख जनजातियाँ	3	2	2
खनिज : धात्विक एवं अधात्विक	1	4	2
ऊर्जा संसाधन : परम्परागत एवं गैर-परम्परागत	1	–	2
जैव-विविधता एवं इनका संरक्षण	1	1	3
पर्यटन स्थल एवं परिपथ	1	1	–
राजस्थान के नवगठित जिलें	–	–	–
कुल प्रश्न	**17**	**16**	**16**

- Without the permission of the publisher, the attempt to reproduce any part of this book by any means or by any technical means (electronic, mechanical, photocopying, recording, digital, web) or the name of this book, titles, illustrations, drawings, maps, designs, cover designs, page layout, settings, literary materials, content may not be published or distributed in any language, either in whole or in part or in the form of distortions or alterations. The copyright of this book is reserved with the publisher.
- The composing work of the book has been done by the computer, in spite of taking full care by the author, proof reader, computer operator and publisher in the writing and publication work of the book, it is possible to have some incomplete or outdated information / some mistakes / shortcomings may remain. For which the printers, authors and publishers associated with the publication of the book will not be responsible. Readers' suggestions are cordially invited.
- The jurisdiction of all disputes will be Jaipur (Raj.).

दो शब्द

राजस्थान प्रशासनिक सेवा की प्रारंभिक परीक्षा में पिछले कुछ वर्षों में पूछे गए प्रश्नों का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि **'राजस्थान का भूगोल'** से निर्णायक प्रश्न पूछे गए हैं। कोई भी गम्भीर अभ्यर्थी इस खंड को यदि अच्छे से तैयार नहीं करता है, तो ऐसी स्थिति में उसे लगभग 15 प्रश्नों का नुकसान उठाना होगा और यह प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए आवश्यक प्रश्नों का लगभग 20% अंश है। भारत के भूगोल खंड से पूछे गए प्रश्न अवधारणात्मक प्रकृति के अधिक रहे हैं वहीं विश्व भूगोल और राजस्थान के भूगोल से पूछे गए प्रश्नों की प्रकृति अवधारणात्मक कम तथा तथ्यात्मक एवं समसामयिक अधिक रही है । भूगोल विषय को समझने के लिए आपको भूगोलज्ञ होना आवश्यक नहीं है, बल्कि इस विषय के मूलभूत सिद्धांतों की समझ होना आवश्यक है । सामान्यतः यह देखा गया है कि अभ्यर्थी इस विषय को रटने का प्रयास करते हैं जिससे कि विषय की समझ नहीं बन पाती है और इसका नुकसान उन्हें परीक्षा में उठाना पड़ता है । व्यावहारिक रूप में अभ्यर्थियों को इस विषय से जुड़ी अवधारणाओं को पहले समझना चाहिए फिर मानचित्र का प्रयोग सीख कर विषय को आत्मसात करना चाहिए ।

'राजस्थान का भूगोल' के नाम पर वैसे तो बाजार में काफि पुस्तकें उपलब्ध है लेकिन RAS परीक्षा के लिए विशेष रूप से इस खंड के लिए कोई प्रयास अभी तक नहीं हुआ है । ऐसी स्थिति में आपको लग सकता है कि, इसमें ऐसा नया क्या है? जो अभ्यर्थी इस पर अपने समय का निवेश करें। आपकी शंका का समाधान करते हुए हम यही कहना चाहेंगे कि यह पुस्तक **'राजस्थान का भूगोल'** के वस्तुनिष्ठ अध्ययन का एक स्रोत है जिसे विभिन्न प्रामाणिक दस्तावेजों के आधार पर बनाया गया है। इसे प्रारम्भिक परीक्षा के ट्रेंड का सुक्ष्म अध्ययन कर विभिन्न परीक्षणों के माध्यम से गुजार कर अंतिम रूप दिया गया है।

प्रस्तुत पुस्तक प्रिलिम्स प्रैक्टिस बुक की राजस्थान प्रैक्टिस सीरीज की कुल 4 पुस्तकों की श्रृंखला की दूसरी कड़ी है। इस पुस्तक में उच्च गुणवत्तायुक्त 700 + विस्तृत व्याख्या सहित प्रश्न शामिल है। इसमें **'राजस्थान का भूगोल'** से संबंधित सभी अध्यायों पर आधारित उन प्रश्नों का संकलन है जिनकी आगामी परीक्षाओं में पूछे जाने की सर्वाधिक संभावना है। इस पुस्तक के सभी अध्यायों में नवीनतम जिलों से संबंधित प्रामाणिक तथ्यों का भी प्रयोग किया गया है तथा नवगठित जिलों पर आधारित एक अलग अध्याय भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2016, 2018 और 2021 की प्रारंभिक परीक्षा में पूछें गए प्रश्नों का भी व्याख्या सहित संकलन किया गया है। प्रश्नोत्तर आधारित इस पुस्तक को अपनी तैयारी का हिस्सा बनाने का लाभ आपको यह होगा कि आप अपनी तैयारी के कमजोर और मजबूत पक्ष को जाँच पायेंगे तथा समय रहते आवश्यक सुधार भी कर पायेंगे। सभी प्रश्नों की विस्तृत व्याख्या से सम्पूर्ण विषय का दोहराव भी आसानी से हो जाएगा।

अब यह पुस्तक राजस्थान के सभी अभ्यर्थियों को समर्पित है। यह पुस्तक प्रस्तुत करते समय हम आपको भरोसा दिला रहें हैं और दावा भी कर रहे हैं कि राजस्थान के भूगोल की तैयारी के लिए यह पुस्तक निर्णायक सिद्ध होगी।

प्रिलिम्स परीक्षा के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ

संपादक

श्री रामेश्वर सिंह

श्री कमल चौधरी

1. निम्नलिखित में से प्राचीन 'यौधेय' प्रदेश में सम्मिलित जिले है—
(A) गंगानगर और हनुमानगढ़ (B) गंगानगर और बीकानेर
(C) बीकानेर और अनूपगढ़ (D) गंगानगर और अनूपगढ़

उत्तर–(D)

व्याख्या— प्राचीन यौधेय प्रदेश में गंगानगर और नवगठित जिला ''अनूपगढ़' सम्मिलित है।

2. शौरसेन प्रदेश में राजस्थान का कौनसा जिला समूह सम्मिलित हैं?
(A) भरतपुर, धौलपुर, करौली और अलवर
(B) भरतपुर, धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर
(C) भरतपुर, धौलपुर, डीग और करौली
(D) भरतपुर, धौलपुर, डीग और दौसा

उत्तर–(C)

व्याख्या— प्राचीन शौरसेन प्रदेश में भरतपुर, धौलपुर, करौली और नवगठित जिला डीग आता है।

3. निम्नलिखित में से मत्स्य संघ में सम्मिलित जिला नहीं है—
(A) अलवर (B) डीग
(C) खैरथल (D) दौसा

उत्तर–(D)

व्याख्या— मत्स्य संघ का गठन राजस्थान के एकीकरण के प्रथम चरण में 17 मार्च, 1948 को हुआ। इस चरण में अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली रियासतों को सम्मिलित कर मत्स्य संघ बनाया गया तथा इसमें अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली तथा नवगठित जिलों में डीग व खैरथल भी सम्मिलित है।

4. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–

प्रदेश	स्थिति
(a) कुरू	1. जयपुर-टोंक क्षेत्र
(b) शौरसेन	2. कोटा-बूँदी क्षेत्र
(c) विराट	3. भरतपुर, धौलपुर, करौली क्षेत्र
(d) हयाहय	4. अलवर का सीमावर्ती प्रदेश

कूट–

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	4	2	3	1
(C)	4	3	1	2
(D)	4	3	2	1

उत्तर–(C)

व्याख्या—

प्राचीन प्रदेश	स्थिति
1. कुरू	- अलवर का सीमावर्ती प्रदेश
2. शौरसेन	- भरतपुर, धौलपुर, करौली तथा डीग क्षेत्र (नवगठित जिला)
3. विराट	- जयपुर-टोंक क्षेत्र
4. हयाहय	- कोटा-बूँदी क्षेत्र

5. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प असुमेलित है?
(A) अहिच्छत्रपुर - कोटा-बूँदी का क्षेत्र
(B) गुर्जर प्रदेश - जोधपुर-पाली क्षेत्र
(C) जांगल - बीकानेर क्षेत्र
(D) श्रीमाल - भीनमाल का क्षेत्र

उत्तर–(A)

व्याख्या— अहिच्छत्रपुर, नागौर के चारों ओर का क्षेत्र कहलाता है।

6. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–
1. स्वर्णगिरी – जैसलमेर का क्षेत्र
2. वल्ल और दुंगल – सिरोही का क्षेत्र
3. शिवि – उदयपुर-चित्तौड़गढ़ का क्षेत्र
4. चंद्रावती – पाली का क्षेत्र
5. बागड़ – डूंगरपुर-बाँसवाड़ा क्षेत्र
उपर्युक्त में से कितने युग्म सुमेलित हैं?
(A) एक युग्म (B) दो युग्म
(C) चार युग्म (D) तीन युग्म

उत्तर–(B)

व्याख्या—

प्राचीन प्रदेश	स्थिति
1. स्वर्णगिरी	– जालौर क्षेत्र
2. वल्ल और दुंगल	– बाड़मेर-जैसलमेर
3. शिवि	– उदयपुर-चित्तौड़गढ़ क्षेत्र
4. चंद्रावती	– सिरोही-आबू क्षेत्र
5. बागड़	– डूंगरपुर-बाँसवाड़ा क्षेत्र

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. माही नदी का क्षेत्र कांठल कहलाता है।
2. छप्पन का मैदान बाड़मेर जिले में स्थित है।
3. डूंगरपुर और बाँसवाड़ा के बीच का भाग मेवल और देवलिया कहलाता है।
4. थली क्षेत्र नागौर जिले में स्थित है।
उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य हैं?
(A) केवल 3 (B) केवल 4
(C) केवल 1 और 3 (D) केवल 2 और 4

उत्तर–(D)

व्याख्या— छप्पन का मैदान– प्रतापगढ़-बाँसवाड़ा के मध्य 56 गांवों का समूह है।
- छप्पन की पहाड़ियाँ बालोतरा जिले के सिवाना क्षेत्र में स्थित है।
- चूरू और सरदारशहर का क्षेत्र थली कहलाता है।

8. निम्नलिखित में से व्याघ्रवाट और पालन क्रमश: किनके प्राचीन नाम है?
(A) बाँसवाड़ा एवं प्रतापगढ़ (B) कोटा एवं बूँदी
(C) बाँसवाड़ा एवं झालावाड़ (D) टोंक एवं सवाईमाधोपुर

उत्तर–(C)

व्याख्या— प्राचीनकाल में व्याघ्रवाट बाँसवाड़ा को तथा पालन झालावाड़ क्षेत्र को कहा जाता था।

9. निम्नलिखित में से शाकंभरी (सांभर) किस क्षेत्र का प्राचीन नाम था?
(A) जयपुर (B) नागौर
(C) अजमेर (D) दूदू

उत्तर–(C)

व्याख्या— शाकंभरी (सांभर) क्षेत्र अजमेर का प्राचीन नाम था। यहाँ शाकंभरी माता का मंदिर भी स्थित है।

1. निम्नलिखित में से कौनसा/से पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश के अंतर्गत आते हैं?

1. लूनी-जवाई का मैदान

2. वागड़ प्रदेश

3. घग्घर का मैदान

4. छप्पन का मैदान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) केवल 1 एवं 3 (B) केवल 2 एवं 3

(C) केवल 2 एवं 4 (D) 2, 3 एवं 4

उत्तर–(A)

व्याख्या— **पश्चिमी मरूस्थलीय प्रदेश–**

(1) शुष्क रेतीले प्रदेश (थार मरूस्थल क्षेत्र)

(2) लूनी-जवाई का मैदान

(3) शेखावाटी प्रदेश (बांगर प्रदेश)

(4) घग्घर का मैदान

- **वागड़ प्रदेश–** यह क्षेत्र माही नदी की सहायक नदियों द्वारा निर्मित सिंचित है। इसका दक्षिणी क्षेत्र गहरा एवं कटा-फटा है। यह क्षेत्र गहराई तक विच्छेदित होने के कारण तथा पहाड़ी भू-भाग होने के कारण इसे स्थानीय भाषा में **वागड़** के नाम से जाना जाता है।
- **छप्पन का मैदान–** प्रतापगढ़ तथा बाँसवाड़ा मध्य भाग में छप्पन ग्राम समूह स्थित है, अतः इसे **'छप्पन का मैदान'** के नाम से जाना जाता है।

2. 'बनास के मैदान' से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इस मैदान का ढ़ाल पूर्व की ओर विस्तृत है।

2. बनास के मैदान में बांडी तथा वागन नदियों का प्रवाह क्षेत्र है।

3. इस मैदान के संपूर्ण क्षेत्र में जलोढ़ मृदा का जमाव है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 1 एवं 3 (B) केवल 2 एवं 3

(C) केवल 3 (D) 1, 2 एवं 3

उत्तर–(D)

व्याख्या— **बनास का मैदान–** यह एक विस्तृत मैदान है जिसका ढाल पूर्व की ओर है। यह मैदान बनास नदी का प्रवाह क्षेत्र है जो चित्तौड़गढ़ और उदयपुर जिलों से उद्भूत होकर अनेक शाखाओं जैसे : कोठारी, डेन, बांडी, धुन्ध, मोरेल, कारेली (बाँई ओर से) तथा बेड़च, वागन, गंभीर (दाँई ओर से) सहित प्रवाहित होकर चम्बल और अन्त में यमुना में मिल जाती है।

- इनका प्रवाह क्षेत्र भीलवाड़ा, टोंक, अजमेर, जयपुर, दौसा और सवाईमाधोपुर जिलों में है।
- यह मैदानी क्षेत्र कहीं सम्पूर्ण समतल है तो कहीं कटा-फटा किंतु संपूर्ण क्षेत्र में जलोढ़ मृदा का जमाव है जो कृषि के लिए उपयुक्त है।

3. निम्नलिखित में से हाड़ौती के पठार पर अर्द्धचन्द्राकार रूप से फैली हुई पहाड़ियाँ है—

1. मुकन्दरा की पहाड़ियाँ

2. बारां की पहाड़ियाँ

3. बूँदी की पहाड़ियाँ

नीचे दिये गये कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) केवल 1 (B) केवल 3

(C) केवल 1 एवं 2 (D) केवल 1 एवं 3

उत्तर–(D)

व्याख्या— **दक्षिणी-पूर्वी पठार (हाड़ौती)–** राजस्थान का दक्षिणी-पूर्वी भाग एक पठारी भाग है, जो मालवा के पठार का ही विस्तार है।

- यह प्रदेश लावा मिश्रित शैल एवं विभिन्न विंध्य शैलों का सम्मिश्रण है।
- इस पठारी भाग का विस्तार झालवाड़, कोटा, बारां और बूँदी जिलों में है। इस क्षेत्र की औसत ऊंचाई 500 मीटर है तथा यहां अनेक पर्वत श्रेणियाँ है, जिनमें मुकंदरा की पहाड़ियां और बूँदी की पहाड़ियाँ प्रमुख है। यह पहाड़ियाँ अर्द्धचन्द्राकार रूप में विस्तृत है। इसके अतिरिक्त शाहबाद क्षेत्र, झालावाड़ का पठार, डग गंगधार का उच्च क्षेत्र और नदी बेसिन इसके भू-भाग है। चम्बल नदी के अतिरिक्त इसकी प्रमुख सहायक कालीसिंध, परवन और पार्वती नदियों द्वारा निर्मित मैदान यहाँ की प्रमुख भू-भाग विशेषता है।

4. 'मरूस्थली क्षेत्र के बालूका स्तूप' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. तारा आकार के बालूका स्तूप मुख्यतः बाड़मेर जिले में मिलते हैं।

2. बरखान अर्द्धचन्द्राकार बालुका स्तूप होते है।

3. सम्पूर्ण पश्चिमी राजस्थान में पेराबोलिक बालूका स्तूपों का विस्तार है।

उपर्युक्त में कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 2 एवं 3

(C) केवल 1 एवं 2 (D) केवल 1 एवं 3

उत्तर–(A)

व्याख्या— **तारा आकारीय–** तारा आकारीय के बालूका स्तूप जैसलमेर-पोकरण क्षेत्र तथा सूरतगढ़ क्षेत्र में देखे जाते हैं। ये शृंखलाबद्ध रूप में होते है।

- **बरखान–** ये अर्द्धचन्द्राकार बालूका स्तूप होते है, जो जैसलमेर, सीकर, चूरू का भालेरी क्षेत्र, बाड़मेर, सूरतगढ़ (गंगानगर), बीकानेर के लूणकरणसर, करणी माता क्षेत्र आदि में विस्तृत है।
- **पैराबोलिक–** संपूर्ण पश्चिमी राजस्थान में पैराबोलिक बालूका स्तूपों का विस्तार है। इनका निर्माण पवनों के अपवाहन गर्तो से होता है।

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) राज्य के सीमावर्ती पश्चिमी भाग में अर्द्धशुष्क जलवायु पाई जाती है।

(2) बांगड़ प्रदेश की जलवायु शुष्क प्रकार की है।

(3) बाँसवाड़ा, झालावाड़ और बारां जिलों में अतिआर्द्र जलवायु पायी जाती है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) 2 और 3

(C) 1 और 3 (D) केवल 3

उत्तर–(D)

व्याख्या—राज्य का सम्पूर्ण पश्चिमी सीमावर्ती भाग में शुष्क जलवायु पायी जाती है। अरावली की पश्चिमी सीमा व मरुस्थलीय प्रदेश के मध्य भाग बांगड़, घग्घर, गोड़वार प्रदेश व लूनी बेसिन में अर्द्धशुष्क जलवायु तथा राज्य के दक्षिण और दक्षिणी-पूर्वी जिलों जैसे—बाँसवाड़ा, झालावाड़ और बारां में अतिआर्द्र जलवायु पायी जाती है।

2. निम्नलिखित में से उपआर्द्र जलवायु के अन्तर्गत आने वाले जिले हैं—

(A) सीकर, दौसा, जयपुर (B) पाली, जालौर, जोधपुर

(C) उदयपुर, राजसमंद, सिरोही (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(A)

व्याख्या—उप-आर्द्र जलवायु—इसके अन्तर्गत सीकर का पूर्वी भाग, जयपुर, दौसा, अजमेर जिला (नवगठित जिले नीम का थाना, दूदू, कोटपूतली, बहरोड़, ब्यावर, केकड़ी) सम्मिलित है। यहाँ 40 से 60 सेमी वर्षा होती है। ग्रीष्म ऋतु का तापमान 28° से 36° सेंटीग्रेड तथा शीत ऋतु का तापमान 12° से 18° सेंटीग्रेड रहता है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) राजस्थान में सामान्य वर्षा का औसत 50 सेमी. है।

(2) राज्य में सर्वाधिक वर्षा पूर्वी तथा मध्य राजस्थान में होती है।

(3) सर्वाधिक औसत वर्षा 150 सेमी माउंट आबू में होती है।

(4) सबसे कम 10 से 15 सेमी. जैसलमेर क्षेत्र में अंकित की जाती है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3 (D) केवल 2, 3 और 4

उत्तर–(B)

व्याख्या—राजस्थान में सामान्य वर्षा का औसत 57 सेमी. है। किन्तु पश्चिमी राजस्थान के 15 जिलें सामान्य से कम वर्षा वाले हैं। दूसरी ओर सर्वाधिक वर्षा दक्षिणी-पूर्वी तथा दक्षिणी राजस्थान में होती है। शेष भाग में 40 से 80 सेमी वर्षा होती है। सर्वाधिक औसत वर्षा 150 सेमी. माउंट आबू में तथा सबसे कम 10 से 15 सेमी. जैसलमेर क्षेत्र में अंकित की जाती है।

4. निम्नलिखित में से राज्य में सबसे गर्म एवं ठंडा माह है—

(A) मई तथा दिसम्बर (B) जून तथा जनवरी

(C) जून तथा फरवरी (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(B)

व्याख्या—राज्य में दैनिक, मासिक एवं वार्षिक तापान्तर पूर्व-पश्चिम तथा उत्तर-दक्षिण में स्पष्ट दृष्टिगत होता है। शीत ऋतु में यहाँ का औसत तापमान 12° से 17° सेंटीग्रेड और ग्रीष्म ऋतु में 35° से 40° डिग्री सेंटीग्रेड रहता है। राज्य में सबसे गर्म माह जून तथा ठंडा माह जनवरी होता है।

5. राजस्थान में दिसम्बर-जनवरी माह में होने वाली शीतकालीन वर्षा कहलाती है—

(A) आम्र वर्षा (B) चोरी ब्लोसम

(C) मावठ (D) मानसून

उत्तर–(C)

व्याख्या—राज्य में चक्रवाती हवाओं से शीतकाल में सीमित मात्रा में वर्षा प्राप्त होती है, यह चक्रवात पछुआ हवाओं के साथ पश्चिम (भूमध्यसागरीय पवनें) से आते हैं। इन चक्रवातों से दिसम्बर-जनवरी माह में अर्थात् शीतकाल में वर्षा होती है। इस वर्षा को मावठ कहते है।

6. राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली तीव्र हवाएँ हैं—

(A) भभूल्या (B) लू

(C) आंधी (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(B)

व्याख्या—राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु में मार्च से जून के मध्य तीव्र हवाएँ चलती है जो गर्म, शुष्क और धूल भरी होती हैं। इन धूल भरी गर्म हवाओं की 'लू' कहते है।

7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु की अवधि मार्च से मध्य जून तक होती है।

(2) शीत ऋतु सितम्बर से मार्च तक रहती है।

(3) वर्षा ऋतु का समय काल जुलाई से अगस्त माह है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3 (D) 1, 2 और 3

उत्तर–(C)

व्याख्या—ऋतुओं की अवधि/समयकाल—

1. ग्रीष्म ऋतु-मार्च से मध्य जून तक
2. वर्षा ऋतु-मध्य जून से सितम्बर तक
3. शीत ऋतु-अक्टूबर से फरवरी तक

8. निम्नलिखित में से मानसून का प्रत्यावर्तन काल है—

(A) अगस्त से नवम्बर माह

(B) अक्टूबर से मध्य दिसम्बर माह

(C) सितम्बर से नवम्बर माह

(D) इनमें से कोई नहीं

1. राजस्थान की चम्बल नदी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसका उद्‌गम मध्यप्रदेश की अमरेरु पहाड़ियों से होता है।

2. यह राजस्थान में चौरासीगढ़ किले के निकट से प्रवेश करती है।

3. राजस्थान में चम्बल नदी 325 Km (कि.मी.) प्रवाहित होती है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है?

(A) केवल 1 (B) केवल 3
(C) केवल 1 एवं 2 (D) केवल 1 एवं 3

उत्तर–(D)

व्याख्या— चम्बल नदी – चम्बल नदी का उद्‌भव मध्य प्रदेश में महू के निकट मानपुर के समीप जनापाव पहाड़ी से हुआ होता है।
यह राजस्थान में चौरासीगढ़ किले के निकट प्रवेश कर कोटा और बूँदी जिलों की सीमा बनाती है।
राजस्थान में चम्बल नदी 135 किमी. का मार्ग तय करती है जबकि इसकी कुल लम्बाई 965 किमी. है।
इस नदी पर चौरासीगढ़ से 5 किमी. दूर चूलिया जल प्रपात है।

2. बनास नदी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह अरावली की खमनौर पहाड़ियों से निकलती है।

2. इसकी सहायक नदियाँ मैनाल, धुन्ध एवं मोरेल है।

3. इस नदी को 'वन की आशा' भी कहा जाता है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 एवं 2
(C) केवल 1 एवं 3 (D) 1, 2 एवं 3

उत्तर–(D)

व्याख्या— बनास नदी—अरावली की खमनौर पहाड़ियों से निकलती है। यह कुंभलगढ़ से दक्षिण की ओर गोगुन्दा के पठार से प्रवाहित होकर हुई अरावली श्रेणी को काटकर नाथद्वारा, राजसमंद और रेलमगरा होती हुई चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जिले से बीगोद के पास बेड़च को सम्मिलित करते हुए सवाई माधोपुर, कोटा के समीप चम्बल में मिल जाती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ बेड़च, कोठारी, खारी, मैनाल, बाण्डी, मानसी, धुंध और मोरेल हैं। इस नदी को **'वन की आशा'** भी कहा जाता है।

3. निम्नलिखित में से किस नदी की विशेषताएँ हैं—

1. इसका उद्‌गम जयपुर की बैराठ पहाड़ियों से होता है।

2. यह नदी सवाई माधोपुर और भरतपुर जिले में प्रवाहित होती है।

3. इस नदी की कुल लम्बाई लगभग 380 किमी. है।

कूट—

(A) साबी नदी (B) मैंथा/मेढ़ा नदी
(C) बाणगंगा नदी (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(C)

व्याख्या— बाणगंगा नदी – इसका उद्‌गम जयपुर जिले की बैराठ पहाड़ियों से है। यहाँ से यह पूर्व में प्रवाहित होती हुई यह नदी आगरा के फतेहाबाद के निकट यमुना में मिल जाती है किन्तु वर्तमान में इसका जल भरतपुर जिले के क्षेत्र में फैला जाता है।
इस नदी की कुल लम्बाई **380 कि.मी.** है।
साबी नदी – जयपुर के सेवर पहाड़ियों से निकलती है।
मैंथा/मेढ़ा नदी – यह नदी जयपुर के मनोहरपुरा पहाड़ियों से निकलती है।

4. निम्नलिखित में से कौनसी नदी झालावाड़ और बारां जिलों में बहती हुई नानेरा (कोटा) के निकट चम्बल नदी में मिलती है?

(A) पार्वती नदी (B) कालीसिंध नदी
(C) गम्भीरी नदी (D) वापनी (ब्राह्मणी नदी)

उत्तर–(B)

व्याख्या— कालीसिंध नदी – मध्य प्रदेश में देवास के निकट से निकलकर झालावाड़ और बारां जिलों में प्रवाहित होती हुई नानेरा के निकट चम्बल नदी में मिलती है।
इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ – परवन, उजाड, निवाज और आहू।

5. निम्नलिखित में से नदियों से सम्बन्धित असत्य कथन है?

(A) पार्वती नदी मध्यप्रदेश में सीहोर से निकलकर पालिया (सवाईमाधोपुर) के निकट चम्बल नदी में मिलती है।
(B) मेज नदी बूँदी में लाखेरी के निकट चम्बल नदी में मिलती है।
(C) गम्भीरी नदी का उद्‌गम मध्यप्रदेश में जावद की पहाड़ियों से होता है।
(D) कोठारी नदी का उद्‌गम बिजराल की पहाड़ियों से होता है।

उत्तर–(D)

व्याख्या— कोठारी नदी—इसका उद्‌गम दिवेर की पहाड़ियों से होता है। यह बनास की सहायक नदी है, जो उदयपुर जिले के उत्तरी भाग से निकलने के पश्चात् लगभग **145 कि.मी.** प्रवाहित होकर भीलवाड़ा जिले में बनास में मिल जाती है।

6. 'माही नदी' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह नदी राजस्थान के खादूं गाँव के निकट (बाँसवाड़ा) से प्रवेश करती है।

2. इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ सोम, जाखम, अनास और इराऊ है।

3. यह नदी अंतिम रूप से कच्छ की खाड़ी में समाहित हो जाती है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है?

(A) केवल 2 (B) केवल 1 एवं 3
(C) केवल 3 (D) केवल 1 एवं 2

उत्तर–(C)

व्याख्या— माही नदी – मध्यप्रदेश में महू की पहाड़ियों से उद्‌भूत होकर उत्तरवर्ती प्रवाहित होती है। इसके पश्चात् राजस्थान के बाँसवाड़ा जिले में खादूं ग्राम के निकट राजस्थान में प्रवेश करती है तथा डूंगरपुर, बाँसवाड़ा की सीमा बनाते हुए कुल 576 कि.मी. का मार्ग तय करने के पश्चात खम्भात की खाड़ी में मिल जाती है।
बाँसवाड़ा के निकट इस नदी पर 'माही-बजाज सागर' बाँध का निर्माण सिंचाई हेतु किया गया है।
इसकी प्रमुख **सहायक नदियाँ** – सोम, जाखम, अनास, चाप, इराऊ और मोरेन हैं।

7. राजस्थान की कौनसी नदी जिसका उद्‌गम कोटरी ग्राम से होता है?

(A) घग्घर नदी (B) कांतली नदी
(C) लीलड़ी नदी (D) काकनेय नदी (मसूरदी नदी)

1. राजस्थान में वनों से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

(1) राजस्थान में कुल क्षेत्रफल का लगभग 2 प्रतिशत भाग सघन वनों से आच्छादित है।

(2) राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल 12 प्रतिशत भाग वनों के अंतर्गत आता है।

(3) राजस्थान में विभिन्न प्रकार की वनस्पति लगभग 32,845.30 वर्ग किमी. के क्षेत्र में विस्तृत है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं–

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2

(C) केवल 2 और 3 (D) केवल 3

उत्तर–(D)

व्याख्या— राजस्थान में भारत की तुलना में वनों से आच्छादित प्रदेश बहुत कम है। सर्वाधिक वन क्षेत्र असम राज्य (42 प्रतिशत) में है। राजस्थान में कुल क्षेत्रफल का लगभग 1.05 प्रतिशत भाग सघन वनों से आच्छादित है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार 33.33 प्रतिशत भूमि पर वन होने चाहिए, किंतु राजस्थान के भौगोलिक क्षेत्रफल का केवल 9.59 प्रतिशत वनों के अंतर्गत आता है। राजस्थान में विभिन्न प्रकार की वनस्पति लगभग 32,845.30 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र में विस्तृत है, जो राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.59 प्रतिशत हैं इसके केवल तीसरे हिस्से में सघन वन है। भारत के कुल क्षेत्रफल का लगभग 10.41 प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में है। जबकि भारत के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.8 प्रतिशत राजस्थान में है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) राष्ट्रीय स्तर पर 22.8% भू-भाग वनों से आच्छादित है।

(2) राष्ट्रीय स्तर पर औसतन प्रति व्यक्ति 0.2 हैक्टेयर वन क्षेत्र है।

(3) राजस्थान में प्रति व्यक्ति 0.1 हैक्टेयर वन क्षेत्र उपलब्ध है।

(4) राज्य में कुल वनों के क्षेत्रफल का लगभग 39 प्रतिशत आरक्षित वन, 58 प्रतिशत रक्षित वन और 3 प्रतिशत अवर्गीकृत वन है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3

(C) केवल 3 और 4 (D) केवल 2, 3 और 4

उत्तर–(C)

व्याख्या— राष्ट्रीय स्तर पर 22.8 प्रतिशत भूभाग वनों से आच्छादित हैं। राष्ट्रीय स्तर पर औसतन प्रति व्यक्ति 0.2 हैक्टेयर वन क्षेत्र है। राज्य में प्रति व्यक्ति 0.072 हैक्टेयर वन क्षेत्र है। राज्य में कुल वनों के क्षेत्रफल का लगभग 37.06 प्रतिशत आरक्षित वन, 56.42 प्रतिशत रक्षित और 6.52 प्रतिशत अवर्गीकृत वन क्षेत्र है।

3. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्म हैं/है—

(1) राज्य पशु - गाय

(2) राज्य वृक्ष - बबूल

(3) राष्ट्रीय पुष्प - रोहिड़ा

(4) राज्य पक्षी - गोडावण

कूटः—

(A) 1 और 2 (B) 2 और 3

(C) 3 और 4 (D) 2, 3 और 4

उत्तर–(A)

व्याख्या— राजस्थान का राज्य पशु ऊँट (पशुधन श्रेणी)- ऊँटों की घटती संख्या के कारण 2014 में बनाया गया।

- राजस्थान का राज्य पशु चिंकारा (वन्यजीव श्रेणी) को वर्ष 1981 में राज्य पशु का दर्जा दिया गया।
- राजस्थान का राज्य वृक्ष खेजड़ी है। जिसका वैज्ञानिक नाम प्रोसेसिप सेनेरेरिया जिसे वर्ष 1983 में राज्य वृक्ष का दर्जा दिया गया।
- राज्य पक्षी गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) जिसे वर्ष 1981 में राज्य पक्षी का दर्जा दिया गया।

4. ''उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ वनों'' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) यह अरावली श्रेणी के जिन क्षेत्रों की ऊंचाई 270 मीटर से 770 मीटर है, उन क्षेत्रों में पाये जाते है।

(2) यह मुख्य रूप से उदयपुर एवं बाँसवाड़ा में पाये जाते है।

(3) इनमें मुख्यतः आम, तेंदू, बबूल, बरगद, गूलर, खेर, बहेड़ा, टिमरू जैसे वृक्ष पाये जाते हैं।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2

(C) केवल 1, 2 और 3 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(D)

व्याख्या— उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ वन– ये वन लगभग 26,418 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैले है। अरावली पर्वतमाला के जिन क्षेत्रों की ऊँचाई 270 मी. से 770 मी. है उन क्षेत्रों में पाये जाते है। मुख्यतः यह वन उदयपुर एवं बाँसवाड़ा में पाये जाते है। इस क्षेत्र की औसत वर्षा 50 सेमी. से 100 सेमी. है। यहाँ सामान्य रूप से आम, तेंदू, बबूल, बरगद, गूलर, खेर, नीम तथा अन्य वृक्षों में बहेड़ा, धमन, खिरनी, सेमल व टिमरू मुख्य है। धोकड़ा भी यहाँ का मुख्य रूप से पाया जाने वाला वृक्ष हैं जिससे कृषि के औजार बनाये जाते है। खेर से कत्था, खिरनी से खिलौने तथा तेंदू से बीड़ी बनाई जाती है।

5. भारत वन स्थिति रिपोर्ट, 2021 के अनुसार राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में अधिकतम भौगोलिक क्षेत्रफल पाया जाता है?

(A) बारां (B) उदयपुर

(C) चित्तौड़गढ़ (D) अलवर

उत्तर–(B)

व्याख्या— भारत वन स्थिति रिपोर्ट,2021 के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक वन क्षेत्र उदयपुर जिले में 2753.39 वर्ग किमी. है। इसके पश्चात् अलवर (1195.91 वर्ग किमी.), प्रतापगढ़ (1033.77 वर्ग किमी.), बारां (1010.05 वर्ग किमी.) है।

6. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए—

सूची (I) न्यूनतम वन क्षेत्रफल वाले जिले	सूची (II) क्षेत्रफल (प्रतिशत)
(a) जोधपुर	(1) 0.56%
(b) चूरू	(2) 0.48%
(c) जैसलमेर	(3) 0.92%
(d) बीकानेर	(4) 0.84%

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. इसके बीजों के अंकुरण के समय 20° से 25° सेन्टीग्रेड तापमान उपयुक्त रहता है।
2. फसल के पकते समय मौसम स्वच्छ और बादल रहित होना आवश्यक है।
3. इसकी फसल वार्षिक वर्षा 60 से 90 सेमी. प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में अच्छी होती है।

उपर्युक्त में से किस फसल की भौगोलिक विशेषताएँ है?

(A) गेहूं (B) चावल
(C) मक्का (D) गन्ना

उत्तर–(A)

व्याख्या—गेहूँ की भौगोलिक दशाएँ–गेहूं रबी की फसल है। गेहूं के बीजों के कारण के समय 20° से 25° सेन्टीग्रेड तापमान उपयुक्त रहता है।

- इस फसल के पकते समय मौसम स्वच्छ और बादल रहित होना आवश्यक है। गेहूं की फसल 60 से 90 सेमी. वार्षिक वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में अच्छी होती है।
- राजस्थान के उत्तरी जिलों में दिसंबर से फरवरी तक भूमध्य सागर से आने वाले पश्चिमी चक्रवातों से होने वाली वर्षा जिसे 'मावठ' कहते है, जो गेहूं के लिए अत्यधिक लाभदायक होती है।
- गेहूं की खेती के लिए दोमट और बलुई—दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। इस मिट्टी में नमी धारण करने की क्षमता अधिक होती है। जो मिट्टी पोषक तत्वों की दृष्टि से भी समृद्ध होती है।
- गेहूं की खेती के लिए मिट्टी का पी.एच. (PH) मान 5 से 7.5 के बीच होना चाहिए।

2. निम्नलिखित में से मक्का फसल से संबंधित कथनों पर विचार कीजिए–

1. इसके उत्पादन के लिए 100 से 120 सेमी. वर्षा की आवश्यकता होती है।
2. मक्का की उन्नत किस्में माही कंचन, नवजोत और विजय किरण है।
3. इस फसल का उत्पादन दोमट मिट्टी क्षेत्र के लिए अनुकूल है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 एवं 2
(C) केवल 3 (D) केवल 2 एवं 3

उत्तर–(D)

व्याख्या—मक्का खरीफ की प्रमुख फसल है। इसका उत्पादन 50 से 80 सेमी. वर्षा एवं 12° से 35° तापमान में होता है। दोमट मिट्टी क्षेत्र मक्का उत्पादन के लिए अनुकूल होती है। रात्रि में होने वाली वर्षा मक्का के लिए अधिक उपयुक्त है।

- राजस्थान में मक्का का सर्वाधिक उत्पादन दक्षिणी क्षेत्र, मध्य-पूर्वी भाग में अरावली पर्वतीय एवं पहाड़ी प्रदेश तथा बनास बेसिन क्षेत्र में किया जाता है।
- उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ तथा भीलवाड़ा राज्य के प्रमुख मक्का उत्पादक जिले हैं।

मक्का की उन्नत किस्में— माही कंचन
माही धवल
नवजोत
अगेती-76
गंगा-1
विजय किरण

3. निम्नलिखित विशेषताएँ किस फसल की है?

1. यह एक शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्र की फसल है।
2. इसकी कृषि के लिए 50 से 80 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्र की आवश्यकता होती है।
3. इस फसल के उत्पादन में जयपुर जिले का प्रथम स्थान है।

कूट—

(A) जौ (B) मक्का
(C) कपास (D) गन्ना

उत्तर–(A)

व्याख्या—मक्का एक शुष्क एवं अर्द्धशुष्क क्षेत्र की फसल है। इसके लिए प्रारम्भ में 15° से. तथा पकते समय 20° से 22° से. तापमान की आवश्यकता होती है।

- जौ की कृषि 50 से 80 सेमी. वर्षा वाले क्षेत्रों में होती है।
- जौ उत्पादन में जयपुर जिले का प्रथम स्थान है।

जौ की किस्में— RD2035
राजकिरण
RD57
B.L.-02
मोल्वा
DWRB-52

4. राजस्थान में देशी एवं उन्नत, नरमा एवं वराह लक्ष्मी किस फसल की किस्में है?

(A) गेहूं (B) कपास
(C) गन्ना (D) जौ

उत्तर–(B)

व्याख्या—कपास के लिए 200 दिन पाला रहित होने के साथ 20° से 30° सेल्सियस तापमान तथा 50 से 100 सेमी. वार्षिक वर्षा इसकी अनुकूल दशाएं है।

- लावायुक्त काली एवं चिकनी मिट्टी कपास के लिए उपयुक्त होती है।
- कपास के पकते समय स्वच्छ आकाश, तेज एवं खिली धूप आवश्यक होती है।
- राजस्थान में 'देशी एवं उन्नत' किस्म की कपास का उत्पादन किया जाता है। 'नरमा' किस्म गंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिलों में अधिक प्रचलित है। इसके साथ 'बीकानेरी किस्म' नाम से उन्नत किस्म का प्रचलन हुआ है।

अन्य किस्में— RST-9
अमेरिकन कपास
संकर-4
वीरनार
वराह लक्ष्मी
जी.आर.जे. -8

5. गन्ना से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. इसके उत्पादन के लिए औसत तापमान 15° से 25° से. होना आवश्यक है।
2. इसके प्रमुख उत्पादक जिले बूँदी, गंगानगर और बाँसवाड़ा है।
3. इस फसल की प्रमुख किस्में—वीरनार एवं RST-9 है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 एवं 2
(C) केवल 2 एवं 3 (D) 1, 2 एवं 3

1. राजस्थान के प्रमुख ऊन उद्योग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) स्टेट वूल मिल्स (बीकानेर) में ऊनी धागा तैयार किया जाता है।
(2) जोधपुर ऊन फैक्ट्री में कम्बल और कालीन बनाए जाते हैं।
(3) विदेशी आयात-निर्यात संस्था ने कोटा में काम्बिंग संयंत्र स्थापित किया गया है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य हैं/है?

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3

उत्तर–(D)

व्याख्या—ऊन उद्योग—राजस्थान राज्य में भेड़ पालन अधिक होता है, क्योंकि यहाँ की मरुस्थलीय एवं अर्द्ध मरुस्थलीय परिस्थितियाँ इसके लिए उपयुक्त हैं।

- भेड़ों से प्राप्त ऊन से ऊनी कपड़े, कम्बल, दरियाँ, नमदे आदि बनाने का कार्य यहाँ कुटीर उद्योग के रूप में होता आ रहा है, किन्तु वर्तमान में ऊन उद्योग का विकास कर इसे नियोजित किया जा रहा है। राज्य के प्रमुख ऊन उद्योग निम्नांकित हैं—

(1) स्टेट वूल मिल्स, बीकानेर एक सरकारी कारखाना है जहाँ ऊँनी धागा तैयार किया जाता है।
(2) जोधपुर ऊन फैक्ट्री में ऊनी धागा, कम्बल और कालीन बनाए जाते हैं।
(3) विदेशी आयात-निर्यात संस्था, कोटा में एक काम्बिंग संयंत्र स्थापित है।
(4) वर्स्टेड स्पिनिंग मिल, लाडनूं।

2. राज्य के 'चीनी उद्योग' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

(1) राजस्थान में प्रथम चीनी मिल भूपालसागर (चित्तौड़गढ़) में स्थापित की गई थी।
(2) गंगानगर शुगर मिल्स (श्रीगंगानगर) राजस्थान सरकार का उपक्रम है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य हैं/है?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(C)

व्याख्या—राज्य में कृषि पर आधारित दूसरा प्रमुख उद्योग चीनी उद्योग है, जिसका कच्चा माल गन्ना है। यही कारण है कि गन्ना उत्पादक क्षेत्र में चीनी मिलों की स्थापना की जाती है।

- राजस्थान में प्रथम चीनी मिल वर्ष 1932 में भूपालसागर (चित्तौड़गढ़) में स्थापित की गई तथा दूसरी चीनी मिल 'दी गंगानगर शुगर मिल' वर्ष 1937 में स्थापित की गई। इसके अतिरिक्त सहकारी क्षेत्र में केशोरायपाटन (बूँदी) में वर्ष 1965 में और एक अन्य मिल उदयपुर में वर्ष 1976 में स्थापित की गई।

3. निम्नलिखित में से 'केशोरायपाटन सहकारी शुगर मिल्स लिमिटेड' किस जिले में स्थित है?

(A) चित्तौड़गढ़ (B) कोटा
(C) उदयपुर (D) बूँदी

उत्तर–(D)

व्याख्या—राज्य में केशोरायपाटन सहकारी शुगर मिल्स लिमिटेड वर्ष 1965 में स्थापित केशोरायपाटन, (बूँदी जिला) में स्थित है।

4. निम्नलिखित में से राज्य का प्रथम सीमेंट का कारखाना कहाँ स्थापित किया गया?

(A) लाखेरी (बूँदी) (B) नौखिया (बाँसवाड़ा)
(C) भूपाल सागर (चित्तौड़गढ़) (D) सूरतगढ़ (गंगानगर)

उत्तर–(A)

व्याख्या—सीमेंट उद्योग—राजस्थान में सीमेंट उद्योग का समुचित विकास हुआ है क्योंकि इसके लिए आवश्यक कच्चा माल चूने का पत्थर (लाइम स्टोन) यहाँ प्रचुरता से उपलब्ध है।

- राज्य में प्रथम सीमेंट का कारखाना वर्ष 1915 में लाखेरी (बूँदी) में स्थापित किया गया। वर्तमान में राज्य में 12 बड़ी सीमेंट की इकाईयाँ एवं अनेक मिनी सीमेंट प्लांट सक्रिय है।

5. निम्नलिखित में से हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के अंतर्गत कार्यरत परियोजनाएँ हैं—

(1) खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (खेतड़ी)
(2) दरीबा ताम्र परियोजना (अलवर)
(3) चाँदमारी ताम्र परियोजना (झुंझुनूं)

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है/हैं?

(A) केवल 1 एवं 2 (B) केवल 2 एवं 3
(C) केवल 1 एवं 3 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(D)

व्याख्या—हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड भारत सरकार का उपक्रम है जो झुंझुनूं जिले के खेतड़ी गाँव के निकट स्थापित है। इस ताँबा शोधक संयंत्र की स्थापना वर्ष 1967 में की गई। इसके अंतर्गत राज्य में तीन परियोजनाएँ कार्यरत हैं—

(1) खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स (खेतड़ी)
(2) दरीबा ताम्र परियोजना (अलवर)
(3) चाँदमारी ताम्र परियोजना (झुंझुनूं)

6. निम्नलिखित में से 'हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड' से संबंधित असत्य कथन है?

(A) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर के निकट देबारी में स्थापित है।
(B) यहाँ सर्वप्रथम 10 जनवरी 1996 'को हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड' के नाम से एक जस्ता गलाने का संयंत्र लगाया गया।
(C) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की एक नई परियोजना भीलवाड़ा जिले में रामपुरा-आगूचा में स्थापित की गई।
(D) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर–(D)

व्याख्या—हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड उदयपुर के निकट देबारी में स्थापित है। यहाँ प्रचुर मात्रा में जस्ता उपलब्ध है। यहाँ सर्वप्रथम 10 जनवरी 1996 को 'हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड' के नाम से एक जस्ता गलाने का संयंत्र लगाया गया था। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की एक नई परियोजना भीलवाड़ा जिले में रामपुरा-अगूचा में स्थापित की गई है जिसकी क्षमता तीन हजार टन प्रतिदिन है।

7. निम्नलिखित में से राजस्थान की नई औद्योगिक नीति कब लागू हुई?

(A) दिसम्बर 2019 (B) सितम्बर 2020
(C) दिसम्बर 2022 (D) अगस्त 2018

उत्तर–(A)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. चम्बल परियोजना के अंतर्गत गाँधी सागर बाँध का निर्माण किया गया।
2. चम्बल नदी पर कोटा में हरिके बैराज बाँध बना हुआ है।
3. चम्बल परियोजना केवल राजस्थान और मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 एवं 2
(C) केवल 1 एवं 3 (D) 1, 2 एवं 3

उत्तर-(C)

व्याख्या—चम्बल परियोजना एक बहु-उद्देशीय परियोजना है। यह परियोजना राजस्थान और मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है। इसमें राजस्थान और मध्यप्रदेश की क्रमशः 50:50 प्रतिशत की भागीदारी है।

चम्बल परियोजना के चरण—

प्रथम चरण -	गाँधी सागर बाँध
	कोटा बैराज
द्वितीय चरण-	राणा प्रताप सागर बाँध
तृतीय चरण-	जवाहर सागर बाँध

- **गाँधी सागर बांध**—इसका निर्माण चम्बल नदी पर मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले में किया है। (बाँध का निर्माण—1959)
- **कोटा सिंचाई बाँध**—यह कोटा जिले में चम्बल नदी पर स्थित है। जिसे 'कोटा बैराज' के नाम से जाना जाता है।
- **राणा प्रताप सागर बाँध**—चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा नामक स्थान पर स्थित है।
- **हरिके बैराज बाँध**—इंदिरा गाँधी नहर परियोजना के अंतर्गत सतलज नदी पर बना हुआ है।

2. इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौनसी लिफ्ट नहरें बनायी गई हैं?

1. वीर तेजाजी लिफ्ट नहर
2. पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर
3. करणीसिंह लिफ्ट नहर
4. लक्ष्मीनारायण लिफ्ट नहर
5. गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर

उपर्युक्त में से कितने सही है?

(A) केवल दो (B) केवल तीन
(C) केवल चार (D) सभी पाँच

उत्तर-(C)

व्याख्या—इंदिरा गाँधी नहर परियोजना—इस परियोजना का मूल उद्देश्य पेयजल के लिए जलापूर्ति उपलब्ध कराना है। विशेषतः राजस्थान के शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश को जल प्रदान कर एक कृषि प्रदेश के रूप में विकसित करना है।

उद्घाटन—तत्कालीन केन्द्रीय गृहमंत्री श्री गोविन्द वल्लभ पंत ने 1958 ई. में निर्माण कार्य का श्रीगणेश किया।

इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना पर बनाई गई लिफ्ट नहर—

- डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर
- गुरु जम्भेश्वर लिफ्ट नहर
- जय नारायण व्यास लिफ्ट नहर
- वीर तेजाजी लिफ्ट नहर
- पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर
- चौधरी कुंभाराम आर्य लिफ्ट नहर
- कँवरसेन लिफ्ट नहर

कँवरसेन लिफ्ट नहर, इंदिरा गाँधी नहर परियोजना की सबसे लम्बी और प्रथम लिफ्ट है।

लक्ष्मीनारायण लिफ्ट—यह लिफ्ट नहर गंग नहर पर सिंचाई के लिए निकाली गई लिफ्ट नहर है। गंगानगर जिले में इस लिफ्ट नहर का विस्तार है।

3. भाखड़ा-नांगल परियोजना से संबंधित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह परियोजना पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड की संयुक्त परियोजना है।
2. इस परियोजना पर भारत का सबसे ऊँचा गुरुत्वीय बाँध स्थित है।
3. इस परियोजना का राजस्थान में सर्वाधिक विस्तार है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है?

(A) केवल 3 (B) 1 एवं 2 दोनों
(C) केवल 2 (D) 1 एवं 3 दोनों

उत्तर-(C)

व्याख्या—भाखड़ा-नांगल परियोजना यह पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।

इस परियोजना में राजस्थान का 15.2 प्रतिशत भाग है। जिसमें गंगानगर जिले को सिंचाई का लाभ प्राप्त हो रहा है। इस परियोजना पर भारत का सबसे ऊँचा गुरुत्वीय बाँध भाखड़ा बाँध निर्मित है। इस बाँध के पीछे गोविन्द सागर झील (हिमाचल प्रदेश) बनी हुई है।

भाखड़ा-नांगल बाँध सतलज नदी पर पंजाब के होशियारपुर जिले में स्थित है।

4. सिंचाई के लिए लालगढ़ और समेजा लिफ्ट नहर किस परियोजना से संबंधित है?

(A) इंदिरा गाँधी नहर
(B) गंगनहर परियोजना
(C) माही-बजाज सागर परियोजना
(D) सिद्धमुख परियोजना

उत्तर-(B)

व्याख्या—गंगनहर परियोजना—इस नहर के निर्माण का श्रेय बीकानेर

1. राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाले जिलों का समूह है—

(A) बाड़मेर, पाली, बीकानेर (B) बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर
(C) जयपुर, दौसा, अलवर (D) बीकानेर, चूरू, झुंझुनूं

उत्तर–(B)

व्याख्या—राज्य में दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 21.44 प्रतिशत रही। राज्य में जनसंख्या वृद्धि की दृष्टि से बाड़मेर जिला (32.55%), जैसलमेर (32.22%), जोधपुर (27.69%), जयपुर (26.91%), बाँसवाड़ा (26.58%) की सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर अंकित की गई।

2. निम्नलिखित में से राजस्थान में न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिलों का क्रम है—

(A) बाड़मेर, जोधपुर, जैसलमेर (B) जयपुर, अलवर, दौसा
(C) गंगानगर झुंझुनूं, पाली (D) जोधपुर, नागौर, चूरू

उत्तर–(C)

व्याख्या—राज्य में 2001-2011 की दशकीय वृद्धि दर 21.44 प्रतिशत रही तथा न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर वाले जिले इस प्रकार हैं-

1. गंगानगर — 10 प्रतिशत
2. झुंझुनूं — 11.7 प्रतिशत
3. पाली — 11.9 प्रतिशत
4. बूंदी — 15.4 प्रतिशत

3. राज्य की 2011 की जनगणना के आँकड़ों के अनुसार सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिले हैं—

(A) जयपुर, अलवर, भरतपुर (B) जयपुर, जोधपुर, अलवर
(C) जयपुर, जोधपुर, बीकानेर (D) जयपुर, जोधपुर, कोटा

उत्तर–(B)

व्याख्या—वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों अनुसार राजस्थान की जनसंख्या 6,85,48,437 है। जिसमें पुरूष जनसंख्या 3,55,50,997 तथा महिला जनसंख्या 3,29,87,440 है।
वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिले निम्नानुसार है-

1. जयपुर - 66,26,178
2. जोधपुर - 36,87,165
3. अलवर - 36,74,179
4. नागौर - 33,07,743

4. जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार राज्य के न्यूनतम जनसंख्या वाले जिलों का आरोही क्रम है—

(A) सिरोही, बारां, बांसवाड़ा (B) पाली, सीकर, हनुमानगढ़
(C) जालोर, सिरोही, बाड़मेर (D) जैसलमेर, प्रतापगढ़, सिरोही

उत्तर–(D)

व्याख्या—जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले निम्नानुसार है-

1. जैसलमेर - 6,69,919
2. प्रतापगढ़ - 8,67,848
3. सिरोही - 10,36,346
4. बूंदी - 11,10,906

5. जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार भारत और राजस्थान का जनसंख्या घनत्व क्रमशः है—

(A) 382, 200 (B) 350, 165
(C) 343, 150 (D) 400, 170

उत्तर–(A)

व्याख्या—जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार भारत और राजस्थान का जनसंख्या घनत्व क्रमशः है-

1. भारत—382 (2001 के अनुसार 324 था।)
2. राजस्थान—200 (2001 के अनुसार 165 था।)

6. सूची-I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिए—

सूची-I (जिले)	**सूची-II (जनसंख्या घनत्व)**
(a) जयपुर	(1) 438
(b) भरतपुर	(2) 476
(c) दौसा	(3) 595
(d) अलवर	(4) 503

कूट—

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	3	2	4	1
(B)	3	4	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	3	1	2	4

उत्तर–(B)

व्याख्या—जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान के अधिकतम जनघनत्व वाले जिले निम्नानुसार है-

1. जयपुर—595 2. भरतपुर—503
3. दौसा—476 4. अलवर—438

7. जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले जिलों का समूह है—

(A) जैसलमेर, बीकानेर, चूरू, सीकर
(B) जैसलमेर, बीकानेर, चूरू, बाड़मेर
(C) जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, चूरू
(D) जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर

उत्तर–(C)

व्याख्या—जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले जिले निम्नानुसार है-

1. जैसलमेर—17 2. बीकानेर—78
3. बाड़मेर—92 4. चूरू—147

8. कथन (A)—राजस्थान में न्यूनतम जनघनत्व जैसलमेर जिले में पाया जाता है।

कारण (R)—राज्य का पश्चिमी मरूस्थल भाग, जहाँ वर्षा की मात्रा 25 सेमी. से कम है तथा उच्च ताप रहता है, यह भाग कम जनसंख्या को प्रशय देता है।

कूट—

(A) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(B) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(C) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।
(D) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

1. निम्नलिखित में से राजस्थान किन खनिजों का देश में एकमात्र उत्पादक है?

1. सीसा और जस्ता
2. तांबा
3. सेलेनाइट
4. वॉलस्टोनाइट

कूट—

(A) केवल 1 और 2 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1, 3 और 4 (D) केवल 2, 3 और 4

उत्तर–(C)

व्याख्या—खनिज संसाधनों की दृष्टि से राजस्थान समृद्ध है इसी कारण राजस्थान को 'खनिजों का संग्रहालय' कहा जाता है। राज्य में 81 प्रकार के खनिजों का भण्डार है इसमें से 58 खनिजों का वर्तमान में खनन होता है।

भारत में राजस्थान का खनिज उत्पादन में विशेष महत्त्व है।

राजस्थान निम्नलिखित खनिजों में देश का एकमात्र उत्पादक राज्य

- ✧ जेस्पार
- ✧ सेलेनाइट
- ✧ गार्नेट
- ✧ वोलस्टोनाइट
- ✧ पन्ना

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये गये कूट से कीजिए—

खनिज	खनन क्षेत्र
(a) लौह अयस्क	1. लीलवानी क्षेत्र
(b) मैग्नीज	2. सलादीपुर क्षेत्र
(c) पाइराइट	3 लोहारपुरा क्षेत्र
(d) ऐस्बेस्टॉस	4. सलूम्बर क्षेत्र

कूट—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	4	1	2	3
(C)	1	4	3	2
(D)	3	1	2	4

उत्तर–(D)

व्याख्या—राजस्थान में लौह-अयस्क छोटे-छोटे जमाव के रूप में लौहे की घटिया किस्म मिलती है। लौहा राज्य में हैमेटाइट किस्म का है।

लौह अयस्क खनन क्षेत्र

जयपुर — मोरिजा-वानोल, भट्टों की गली, नीमेड भगवास, रायसेला।
सीकर — डाबला-सिंघाना, बनोली सराय, राजपुर, नानावास।
उदयपुर — नाथरा की पाल, थूर -हुण्डेर।
अलवर — भानगढ़, राजगढ़
झुन्झुनूँ — जमालोपुरा, कालीपहाड़ी, सिओर, टोण्डा।
बून्दी — लोहारपुरा
दौसा — नीमला-रायसेला

मैग्नीज

बांसवाड़ा—लीलवानी, नरडिया, सिवोनिया, कालाखूंटा कांसला, सागवा, इटावा, तिम्यामौरी, खेडिया, काचला, तलवाड़ा आदि।
उदयपुर—नेगड़िया, सरुपपुरा, रामौसन।
पाइराइट—पाइराइट का उपयोग सल्फर प्राप्त करने में किया जाता है सीकर जिले के सलादीपुरा में पाइराइट के विशाल भण्डार पाये गये हैं।
ऐम्बेस्टॉस—ऐम्बेस्टॉस का उपयोग सीमेन्ट की चादरें, टाइलें फिल्टर्स तथा ताप निरोधक वस्तुओं के निर्माण में निर्माण किया गया है।
उदयपुर—खेरवाड़ा, धलाना-ओड़वास, ऋषभदेव, कान्थल, डेकालिला, सलूम्बर एवं गुंजाम क्षेत्र।
डूँगरपुर—देवल, खेमास, पीपरदा, मलवा, डूँगरसारज, जकौल एवं घंटीगला।
राजसमन्द—तिरवी, गुडा एवं नाथद्वारा।
अजमेर—नैराला, कनवाली, नेनहुर्द, अर्जुनपुरा

3. राजस्थान में 'पाइराइट्स' से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह राजस्थान के सीकर जिले में सलीदापुर क्षेत्र में मिलता हैं।
2. यह दानेदार मिट्टी होती है, जिसका उपयोग वनस्पति एवं खनिज तेलों को साफ करने में किया जाता है।

उपर्युक्त में से कौनसा-से कथन सत्य है?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 एवं 2 दोनों (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर–(A)

व्याख्या— पाइराइट—यह राजस्थान के सीकर जिले में सलीदापुर क्षेत्र में मिलता है।

बेण्टोनाइट (Bentonite)—यह दानेदार मिट्टी होती है जिसका प्रमुख उपयोग वनस्पति एवं खनिज तेलों को साफ करने के लिए किया जाता है।

राज्य में बाड़मेर, बीकानेर और सवाई माधोपुर जिलों में बेण्टोनाइट के भण्डार है।

4. ''नाथरा की पाल और थूर-हूण्डेर'' कौन से खनिज के लिए प्रसिद्ध है?

(A) लौह-अयस्क (B) मैग्नीज
(C) सीसा और जस्ता (D) ऐस्बेस्टॉस

उत्तर–(A)

व्याख्या—दक्षिणी-पूर्वी क्षेत्र—अरावली पहाड़ियों के दक्षिणी एवं पूर्वी भाग में नाथरा की पाल का क्षेत्र, थूर-हूण्डेर क्षेत्र तथा अन्य क्षेत्र, जिसमें लोहारपुरा (बूँदी), लोहरिया, खाचरिया, तलवारा (डूँगरपुर), इन्द्रगढ़ (भीलवाड़ा), कमलपुर, लामया (बाँसवाडा) पादरपाल, डाग (भीलवाड़ा) सम्मिलित है जो लौह अयस्क के खनन क्षेत्र है।

1. राजस्थान के 'कोयला स्रोत' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. राजस्थान में केवल लिग्नाइट प्रकार का कोयला प्राप्त होता है।
2. मुख्यतः बीकानेर जिले में लिग्नाइट कोयला मिलता है।
3. खारी, चान्नेरी, मुंध और कपूरड़ी कोयला की खानें है

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है?

(A) केवल 1 (B) केवल 2 एवं 3
(C) केवल 3 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–[D]

व्याख्या— राजस्थान में केवल 'लिग्नाइट' प्रकार का कोयला प्राप्त होता है। इसे 'भूरा कोयला' भी कहा जाता है।

- राजस्थान में लिग्नाइट कोयला मुख्यतः बीकानेर जिले में मिलता है।

इसकी प्रमुख खानें

✧ पलाना (टर्शरी कोयला जमाव)
✧ खारी
✧ सरोवर
✧ चान्नेरी
✧ मुंध
✧ बरसिंगसर

- बीकानेर के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों में **नागौर** जिले के **मेड़ता रोड** और **बाड़मेर** जिले के **कपूरड़ी** और **बोथिया** जागीर प्रमुख खनन क्षेत्र है।

2. निम्नलिखित में से राजस्थान के तापीय विद्युत केन्द्र है—

1. छबड़ा तापीय विद्युत परियोजना
2. भदेसर तापीय विद्युत परियोजना
3. नेवेली तापीय विद्युत परियोजना
4. कालीसिन्ध तापीय विद्युत परियोजना

उपर्युक्त में से कितने कथन सही है?

(A) केवल एक (B) केवल दो
(C) केवल तीन (D) सभी चार

उत्तर–[D]

व्याख्या—

तापीय विद्युत—तापीय विद्युत का एक मात्र स्रोत कोयला हैं। राजस्थान में केवल लिग्नाइट कोयला पाया जाता है।

राजस्थान में तापीय विद्युत का उत्पादन बाहर से मँगाये गए कोयले पर निर्भर है। वर्तमान में राज्य में तापीय विद्युत आपूर्ति कोटा थर्मल की सात इकाईयाँ, सूरतगढ़, छबड़ा तथा कालीसिंध ताप परियोजना की छह इकाइयों से हो रही है।

तापीय विद्युत परियोजना

- कोटा तापीय विद्युत परियोजना
- सूरतगढ़ ताप विद्युत परियोजना
- छबड़ा तापीय विद्युत परियोजना
- कालीसिन्ध थर्मल परियोजना
- कपूरड़ी एवं जालीपा तापीय विद्युत परियोजना
- भदेसर तापीय विद्युत परियोजना
- नेवेली तापीय विद्युत परियोजना

3. राजस्थान के सन्दर्भ में ''खनिज तेल/पेट्रोलियम से सम्बन्धित कथनों पर विचार कीजिए—

1. बागेश्वरी, भक्ति मुख्यतः तेल क्षेत्र के भण्डार है।
2. मंगला तथा ऐश्वर्या तेल क्षेत्र बाड़मेर में स्थित है।

निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सत्य है?

(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 एवं 2 दोनों (D) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर–[B]

व्याख्या—

खनिज तेल/पेट्रोलियम—राजस्थान के भूगर्भिक एवं चुम्बकीय सर्वेक्षण से यह तथ्य स्पष्ट हुआ है कि राजस्थान के पश्चिमी क्षेत्र में खनिज तेल एवं गैस भंडार हो सकते है। वास्तव में खनिज तेल हाइड्रोकार्बन यौगिकों का मिश्रण है, जो अवसादी शैलों की रंध्रों में रिस जाता है तथा प्राकृतिक गैस के साथ निकाला जाता है।

तेल क्षेत्र—बाड़मेर—(रागेश्वरी, शक्ति, भाग्यम, मंगला, ऐश्वर्या तेल क्षेत्र, बायतु क्षेत्र।)

4. राजस्थान के सन्दर्भ में ''परमाणु शक्ति'' से सम्बन्धित असत्य कथन है—

(A) भारत के प्रथम परमाणु केन्द्र की स्थापना रावतभाटा के रूप में की गई।
(B) यह (रावतभाटा) भारत का प्रथम प्राकृतिक यूरेनियम, भारी जल एवं प्रशीतन परमाणु केन्द्र है।
(C) देश के दूसरे ''न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्पलैक्स'' की स्थापना रावतभाटा में की गई।
(D) राजस्थान में दूसरा परमाणु विद्युत केन्द्र बाँसवाड़ा में प्रस्तावित है।

उत्तर–[A]

व्याख्या—

परमाणु शक्ति—भारत के प्रथम परमाणु केन्द्र की स्थापना तारापुर (महाराष्ट्र) के रूप में तथा दूसरा केन्द्र ''राजस्थान परमाणु शक्ति परियोजना'' के रूप में प्रारम्भ किया गया।

यह भारत का प्रथम प्राकृतिक यूरेनियम, भारी जल एवं प्रशीतन परिचालित परमाणु केन्द्र है।

देश के दूसरे न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्पलैक्स की स्थापना रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) में 9 सितम्बर 2017 को की गई।

5. अमर सागर और देवगढ़ परियोजना किससे सम्बन्धित है?

(A) तापीय विधुत (B) बायो गैस
(C) सौर ऊर्जा (D) पवन ऊर्जा

1. राजस्थान वन्य पशु एवं पक्षी संरक्षण अधिनियम—1951 कब लागू किया गया?

(A) 21 मार्च, 1953 (B) 23 अप्रैल, 1953
(C) 22 जनवरी, 1981 (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर–(B)

व्याख्या—राज्य में स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सर्वप्रथम 23 अप्रैल, 1953 ई. को वन्य जीव एवं पक्षी संरक्षण अधिनियम राजस्थान वन्य पशु एवं पक्षी सरंक्षण अधिनियम—1951 लागू किया गया। जो एक प्रभावशाली कदम माना जाता है जिसके पश्चात् राज्य में कई पशुओं को सरंक्षण प्राप्त हुआ है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

1. देश की प्रथम बाघ परियोजना वर्ष 1975 में लागू हुई।
2. इस बाघ परियोजना के अंतर्गत राज्य में रणथम्भौर एवं सरिस्का को विकसित कर संरक्षण प्रदान किया गया।
3. पर्यावरण सरंक्षण अधिनियम, वर्ष 1986 में लागू हुआ।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3 (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर–(C)

व्याख्या—देश में प्रथम बाघ संरक्षण परियोजना वर्ष 1973 में लागू हुई। इसके अंतर्गत राज्य में रणथम्भौर एवं सरिस्का को बाघ परियोजना के रूप में विकसित कर इन्हें पूर्ण संरक्षण प्रदान किया गया। बाघ परियोजना को राज्य में विश्व वन्य जीव कोष एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संस्था के सहयोग से संचालित किया गया।

वर्ष 1986 ई. में प्रारम्भ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत वन्य जीवों एवं इनके आवासीय स्थल वनों की सुरक्षा के लिए कठोर कानूनों का निर्माण किया गया।

3. सूची–I और सूची–II को सुमेलित कीजिए–

सूची I (जंतुआलय)	**सूची II (स्थापित वर्ष)**
(a) जयपुर	1. 1932
(b) कोटा	2. 1878
(c) उदयपुर	3. 1876
(d) जोधपुर	4. 1954

कूट—

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	1	2	3	4
(B)	3	1	2	4
(C)	3	4	2	1
(D)	3	4	1	2

उत्तर–(C)

व्याख्या—राजस्थान में 5 जंतुआलय जिनके स्थान एवं स्थापित वर्ष इस प्रकार हैं–

जंतुआलय		स्थापित वर्ष
1. जयपुर	-	1876
2. कोटा	-	1954
3. उदयपुर	-	1878
4. जोधपुर	-	1932
5. बीकानेर	-	1922

4. निम्नलिखित में से असुमेलित युग्म है –

1. पंचकुण्ड मृगवन - जैसलमेर
2. अशोक विहार मृगवन - जयपुर
3. संजय उद्यान - उदयपुर
4. सज्जनगढ़ मृगवन - उदयपुर

कूट—

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1 और 3 (D) केवल 2, 3 और 4

उत्तर–(C)

व्याख्या—मृगों की सुरक्षा एवं संवर्द्धन के लिए राज्य में 7 मृगवन संरक्षित किये गए हैं जो इस प्रकार हैं–

1. पुष्कर पंचकुण्ड मृगवन - अजमेर (1885 में स्थापित)
2. चित्तौड़गढ़ दुर्ग मृगवन - चित्तौड़गढ़ (1969)
3. संजय उद्यान, शाहपुरा - जयपुर (1986)
4. अशोक विहार मृगवन - जयपुर
5. माचिया सफारी मृगवन - जोधपुर
6. अमृता देवी मृगवन - खेजड़ली, जोधपुर (1998)
7. सज्जनगढ़ मृगवन - उदयपुर

5. राजस्थान की नवीनतम बाघ परियोजना है–

(A) सरिस्का टाइगर रिजर्व
(B) रणथम्भौर टाइगर रिजर्व
(C) मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व
(D) रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व

उत्तर–(D)

व्याख्या—राजस्थान में चार बाघ परियोजना संचालित है–

1. सरिस्का टाइगर रिजर्व - अलवर
2. रणथम्भोर टाइगर रिजर्व - सवाईमाधोपुर
3. मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व - दर्रा, (कोटा, चित्तौड़गढ़)
4. रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व - बूँदी

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व– (रामगढ़ विषधारी अभयारण्य)—बूंदी से यह अभयारण्य 15 कि.मी. दूर है। यह अभयारण्य 307 वर्ग कि.मी. के बीच फैला हुआ है। बहुत पुराने समय से यह स्थान बाघ–बघेरों का घर माना जाता है। 17 मई 2022 को रामगढ़ को 'बाघ संरक्षित' (Tiger Reserve) क्षेत्र घोषित किया गया है। यह देश का 52वां बाघ संरक्षित क्षेत्र है।

1. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(A) अरबी-फारसी शोध संस्थान—टोंक

(B) सारबाग की छतरियाँ—बारां

(C) देलवाडा के मंदिर—माउण्ट आबू

(D) जैन मंदिर—रणकपुर

उत्तर–(B)

व्याख्या—सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में जहाँ एक ओर ऐतिहासिक स्थल है तो दूसरी ओर उत्कृष्ट स्थापत्य कला एवं वास्तुकला के केन्द्र राजस्थान में अनेक स्थलों पर हैं, जैसे-

- जसवंत थडा—जोधपुर
- अढ़ाई दिन का झोंपड़ा—अजमेर
- चौरासी खम्भों की छतरी, रानीजी की बावड़ी और सारबाग की छतरियाँ—बूंदी में।
- स्वर्ण कोटी—टोंक में।
- चन्द्रभागा नदी के किनारे मंदिर एवं सूर्य मंदिर—झालारापाटन

2. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए—

स्थलाकृति	क्षेत्र
(a) भोराट का पठार	**1. आबू पर्वत क्षेत्र**
(b) उड़िया पठार	**2. जयसमंद झील के पूर्व में**
(c) लसाड़िया पठार	**3. कुम्भलगढ़-गोगुंदा क्षेत्र**
(d) ऊपरमाल पठार	**4. भीलवाड़ा (बिजौलिया क्षेत्र)**

कूट—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	3	1	2	4
(C)	1	2	4	3
(D)	4	3	2	1

उत्तर–(B)

व्याख्या—

स्थलाकृतिक भू-दृश्य—राजस्थान का स्थलाकृतिक स्वरूप पर्यटकों के लिए सदैव आकर्षण का केन्द्र रहा हैं, जैसे- पर्वत, पठार, मरूस्थली भू-आकृतियाँ आदि।

पर्वत श्रेणियाँ एवं शिखर—गुरूशिखर, सेर, अचलगढ़, देलवाड़ा, आबू, कुम्भलगढ़, लीलागढ़, कमलनाथ की पहाड़ी, सज्जनगढ़, तारागढ़, जयगढ़, आदि।

पठार—

- **भोराट का पठार**—कुंभलगढ़-गोगुंदा के मध्य एक अपरदित पठार है।
- **उड़िया पठार**—आबू पर्वत क्षेत्र में।
- **लसाड़िया पठार**—जयसमंद झील के पूर्व में।
- **उपरमाल का पठार**—बिजौलिया (भीलवाड़ा)।
- **मरूस्थली स्थलाकृति**—बालूका स्तूप के लिए आकर्षण केन्द्र सम एवं बर क्षेत्र जैसलमेर। इसके अलावा सूरतगढ़, करणी माता एवं बाड़मेर।

3. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए-

पर्यटन स्थल	स्थान
(a) पाण्डुपोल	**1. टोंक**
(b) मोरड़ी छतरी	**2. माउण्ट आबू**
(c) टॉड रॉक	**3. अलवर**
(d) सुनहरी कोठी	**4. बूँदी**

कूट—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	3	1	2	4
(C)	4	2	3	1
(D)	3	4	2	1

उत्तर–(D)

व्याख्या—

पाण्डुपोल—सरिस्का (अलवर) से 19 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक दर्शनीय स्थल है।

मोरड़ी छतरी—बूंदी में अनेक पर्यटन स्थल है जिनमें बूँदी का गढ़, चौरासी स्तम्भों की छतरी, सूरज छतरी व मोरड़ी छतरी, क्षार बाग, जैत सागर, फूल सागर, नवल सागर के अतिरिक्त यहां की बावड़ी दर्शनीय है।

टॉडरॉक—सिरोही जिले में स्थित माउण्ट आबू राजस्थान का एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल है। जहाँ ग्रीष्म ऋतु में भी मौसम शीतल रहता है। यहाँ के दर्शनीय स्थलों में नक्की झील, अचलगढ़, देलवाड़ा के जैन मंदिर, टॉड रॉक, सनसेट प्वाइंट, अर्बुदा देवी, भर्तृहरि गुफा, वशिष्ठ आश्रम, गुरु शिखर एवं अचलेश्वर महादेव का मंदिर है।

4. निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(A) सवाई मानसिंह वन्य जीव अभयारण्य—सवाई माधोपुर

(B) केसरबाग वन्य जीव अभयारण्य—धौलपुर

(C) राम सागर वन विहार—करौली

(D) शेरगढ़ वन्य जीव अभयारण्य—बारां

उत्तर–(C)

व्याख्या—राम सागर वन विहार—धौलपुर

राष्ट्रीय उद्यान—

- **रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान**—सवाई माधोपुर
- **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान**—भरतपुर
- **मुकन्दरा राष्ट्रीय उद्यान**—कोटा
- **सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान**—सरिस्का
- **राष्ट्रीय मरू उद्यान**—जैसलमेर

अनूपगढ़

1. राजस्थान के वे सीमावर्ती जिले (नवगठित सहित) जो सम्मिलित रूप से जो पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं—

(A) फलौदी, बीकानेर, गंगानगर, बाड़मेर एवं अनूपगढ़
(B) गंगानगर, बीकानेर, नोखा, जैसलमेर, बाड़मेर एवं अनुपगढ़
(C) अनूपगढ़, बीकानेर, जैसलमेर एवं बाड़मेर
(D) अनूपगढ़, गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर एवं जैसलमेर

उत्तर–(D)

व्याख्या—व्याख्या—राजस्थान के वर्तमान में पाँच जिले पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं –

1. गंगानगर
2. अनूपगढ़
3. बीकानेर
4. जैसलमेर
5. बाड़मेर

- यह राज्य में उत्तर से गंगानगर जिले के हिंदुमल कोट से लेकर दक्षिण में बाड़मेर के बाखासर (शाहगढ़) गाँव तक विस्तृत है।

2. निम्नलिखित में से 'घग्घर नदी' किन जिलों में बहती है?

(A) हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर एवं बीकानेर
(B) अनूपगढ़ एवं श्रीगंगानगर
(C) हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर एवं अनूपगढ़
(D) अनूपगढ़ एवं हनुमानगढ़

उत्तर–(C)

व्याख्या—व्याख्या—घग्घर नदी – हिमालय की शिवालिक पहाड़ियों से निकल कर हरियाणा में प्रवाहित होती हुई हनुमानगढ़ जिले में टिब्बी तहसील में प्रवेश करती है। तत्पश्चात् हनुमानगढ़, गंगानगर के (सूरतगढ़) उसके बाद अनूपगढ़ जिले से प्रवाहित होती हुई इसका जल पाकिस्तान में फैल जाता है।

- इस नदी को **'मृत नदी'** कहा जाता है। घग्घर नदी जिसे प्राचीन 'सरस्वती नदी' माना जाता है।

3. राजस्थान की प्रमुख बागवानी फसल किन्नू कहाँ उत्पादित किया जाता है?

(A) गंगानगर एवं बीकानेर
(B) बीकानेर एवं अनूपगढ़
(C) अनूपगढ़ एवं श्रीगंगानगर
(D) श्रीगंगानर एवं चूरू

उत्तर–(C)

व्याख्या—व्याख्या—किन्नू – राज्य के श्रीगंगानगर, अनूपगढ़ और हनुमानगढ़ जिले में किन्नू का उत्पादन किया जाता है।

- किन्नू की फसल पूरे उत्तर भारत में उगाई जाती है। यह पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर आदि किन्नू के प्रमुख उत्पादक राज्य हैं।
- इसकी खेती कई प्रकार की मिट्टी जैसे कि रेतली-दोमट से चिकनी-दोमट या गहरी चिकनी दोमट में की जाती है।

4. राजस्थान में कपास उत्पादन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. कपास मुख्य रूप से चूरू जिले में उत्पादित होता है।
2. अखिल भारतीय कपास सुधार परियोजना श्रीगंगानगर से प्रारम्भ की गई।
3. कपास के लिए काली या चिकनी मिट्टी उपयुक्त होती है।

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन असत्य है?

(A) केवल 1
(B) केवल 3
(C) केवल 1 एवं 2
(D) केवल 2 एवं 3

उत्तर–(A)

व्याख्या—कपास एक प्रमुख व्यापारिक फसल है जिसका उपयोग सूती वस्त्र तैयार करने में किया जाता है।

- कपास को बोते समय 20° से 25° से तथा पकते समय 30° से 35° तापमान आवश्यक है साथ ही 90 दिन पाला रहित होना आवश्यक है।
- राजस्थान में 'देशी' एवं 'उन्नत' किस्मों की कपास का उत्पादन किया जाता है। गंगानगर, अनूपगढ़ एवं हनुमानगढ़ जिलों में 'नरमा' किस्म अधिक प्रचलित है।
- अखिल भारतीय कपास सुधार परियोजना का प्रारम्भ श्रीगंगानगर में किया गया।
- कपास के लिए काली या चिकनी मिट्टी उपयुक्त रहती है।

ब्यावर

1. निम्नलिखित में से ब्यावर जिले में स्थित दर्रे है—

(1) परवेरिया
(2) शिवपुर घाट
(3) कामली घाट
(4) सूरा घाट

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 3 एवं 4
(B) केवल 1, 2 एवं 3
(C) केवल 2, 3 एवं 4
(D) केवल 1, 2 एवं 4

उत्तर–(D)

व्याख्या—ब्यावर जिले के दर्रे– बर, परवेरिया, शिवपुर घाट, सूरा घाट दर्रा और देबारी।
कामली घाट राजसमंद जिले में स्थित है।

2. निम्नलिखित में से ब्यावर जिले से प्रवाहित होने वाली नदियाँ हैं—

(1) लूनी नदी
(2) मांसी नदी
(3) लीलड़ी नदी
(4) खारी नदी

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 1 एवं 3
(B) केवल 3 एवं 4
(C) केवल 1, 2 एवं 3
(D) केवल 1, 3 एवं 4

राजस्थान का भूगोल [Geography of Rajasthan]

विगत वर्षों के प्रश्नोत्तर व्याख्या सहित [Previous Years Q&A with Explanation]

स्थिति एवं विस्तार

1. राजस्थान के निम्नलिखित जिलों को पूर्व से पश्चिम की ओर सही क्रम से व्यवस्थित करें– (RAS-2018)

(1) बूँदी (2) अजमेर (3) उदयपुर (4) नागौर

(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 2, 4, 3 (D) 1, 3, 2, 4

उत्तर–(C)

व्याख्या— पूर्व में राजस्थान में 33 जिले थे लेकिन वर्तमान में इनकी स्थिति बदल गई है। 5 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार अब राज्य में 50 जिले हो गए है।

उपर्युक्त दिए गए राजस्थान के जिलों का पूर्व से पश्चिम का क्रम इस प्रकार है- बूँदी, अजमेर, नागौर, उदयपुर।

2. भारत के कुल भू–भाग का कितना प्रतिशत क्षेत्र राजस्थान में हैं? (RAS-2018)

(A) 10.4 प्रतिशत (B) 7.9 प्रतिशत
(C) 13.3 प्रतिशत (D) 11.4 प्रतिशत

उत्तर–(A)

व्याख्या— राजस्थान राज्य का क्षेत्रफल 3,42,239 वर्ग कि.मी. (1,32,139 वर्ग मील) है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 10.41 प्रतिशत है। क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है। मध्यप्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने पर 1 नवम्बर, 2000 को राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा राज्य बना।

थार मरूस्थल

3. निम्न में थार मरूस्थल के भाग है– (RAS-2021)

1. गोड़वाड़ प्रदेश 2. शेखावटी प्रदेश
3. बनास का मैदान 4. घग्घर का मैदान

(A) 1 एवं 2 (B) 2 एवं 3
(C) 1, 2 एवं 4 (D) 1, 3 एवं 4

उत्तर–(C)

व्याख्या— थार मरूस्थल– राजस्थान की अरावली पर्वतमाला के पश्चिम का क्षेत्र शुष्क एवं अर्द्धशुष्क मरूस्थलीय प्रदेश है। जहाँ विस्तृत क्षेत्रों में बालुका स्तूपों का विस्तार है तो कहीं बंजर चट्टानों तथा अपरदित शैलों की उपस्थिति है। यह संपूर्ण प्रदेश न केवल राजस्थान का अपितु भारत का विशिष्ट भौगोलिक प्रदेश है, जो भारत का विशाल मरूस्थल अथवा 'थार मरूस्थल' के नाम से जाना जाता है। यह एक वृहद् रेतीला मैदान है जिसका विस्तार लगभग 1,75,000 वर्ग कि.मी. में है जो राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 61% भूभाग है। इसके अंतर्गत राज्य के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली, नागौर, सीकर, चूरू, झुंझुनूं, हनुमानगढ़, गंगानगर (नवगठित जिले अनूपगढ़, डीडवाना-कुचामन, फलौदी, जोधपुर ग्रामीण, सांचौर और बालोतरा तथा ब्यावर जिले की जैतारण तथा रायपुर तहसील) जिले शामिल हैं। इसके अंतर्गत बालूका स्तूप युक्त प्रदेश, बालूका स्तूप मुक्त प्रदेश, घग्घर का मैदान, शेखावटी प्रदेश (बांगर प्रदेश), नागौर उच्चभूमि तथा लूनी जवाई बेसिन (गोड़वाड़ प्रदेश) सम्मिलित है।

4. निम्न में कौनसा जिला राजस्थान में 'मरू त्रिकोण' का भाग नहीं है? (RAS-2021)

(A) जोधपुर (B) बीकानेर
(C) बाड़मेर (D) जैसलमेर

उत्तर–(C)

व्याख्या— मरू त्रिकोण– राज्य के मरूस्थल के तीन शहर इसमें सम्मिलित है- जैसलमेर, जोधपुर और बीकानेर जिसे सामान्यतः रेगिस्तानी त्रिकोण के नाम से जाना जाता हैं यह तीनों शहर इस तरह आपस में जुड़े हुए है कि ये एक मरूस्थलीय घेरे का निर्माण करते हैं। इन शहरों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्त्व एवं गौरवशाली इतिहास ने राजस्थान को विश्वभर में सबसे रंगीन मरूस्थल के रूप में चिन्हित किया है जो पर्यटकों को बखूबी आकर्षित करता है।

5. भारत के थार मरूस्थल का कितना भाग राजस्थान में है? (RAS-2016)

(A) 40 प्रतिशत (B) 60 प्रतिशत
(C) 80 प्रतिशत (D) 90 प्रतिशत

उत्तर–(*) Question Deleted

व्याख्या— थार का मरूस्थल– भारत के मरूस्थल को 'थार मरूस्थल' अथवा 'द ग्रेट इंडियन डेजर्ट' के नाम से भी जाना जाता है। इसका 85% भूभाग भारत में तथा 15% भूभाग पाकिस्तान में स्थित है। इसका विस्तार लगभग 2,00,000 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में है, जिसका 1,75,000 वर्ग कि.मी. भूभाग भारत के राजस्थान राज्य तथा आंशिक रूप से पंजाब, हरियाणा और गुजरात में स्थित है। भारत के थार मरूस्थल का लगभग 60% भूभाग राजस्थान में स्थित है तथा राजस्थान राज्य के क्षेत्रफल का कुल 61% क्षेत्र थार मरूस्थल के अंतर्गत आता है।

अरावली

6. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए– (RAS-2018)

सूची–I (जिले)	सूची–II (पर्वत)
(a) जालौर	(i) बरवाड़ा
(b) जयपुर	(ii) झारोला

DIVINE
CIVIL SERVICES ACADEMY

IAS • RAS

Rank Improvement Program for RAS MAINS

उन सभी के लिए जो रैंक सुधार करना चाहते है तथा उनके लिए भी जो प्रथम प्रयास में ही अच्छी रैंक प्राप्त करना चाहते है।

- अधीनस्थ सेवा अधिकारियों की मांग पर आधारित
- विख्यात विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्यापन
- उत्तर लेखन पर विशेष बल
- गुणवत्ता सुधार हेतु विशेष प्रयास
- प्रत्येक विषय में अंक बढ़ाने हेतु विशेष रणनीति
- छोटा बैच साईज एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन

Offline/Online Batches

Download our app for online classes
Divine Civil Services Academy

Main Triveni Chauraha,
Gopalpura Bypass, Jaipur-302018

900-900-3843

राजस्थान प्रैक्टिस सीरीज़ की 4 पुस्तकें

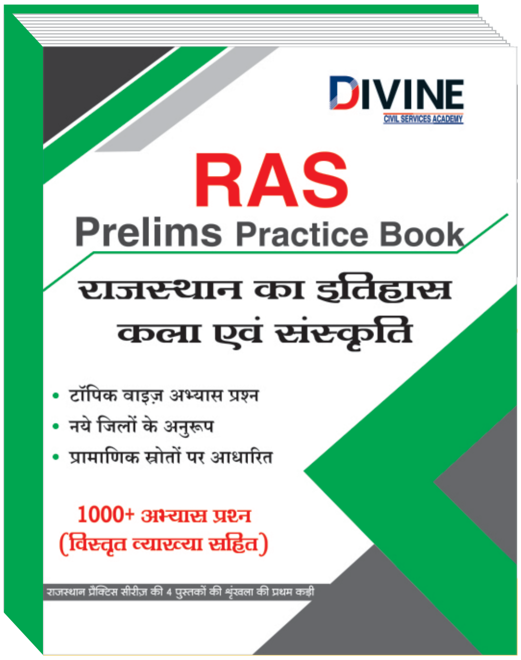

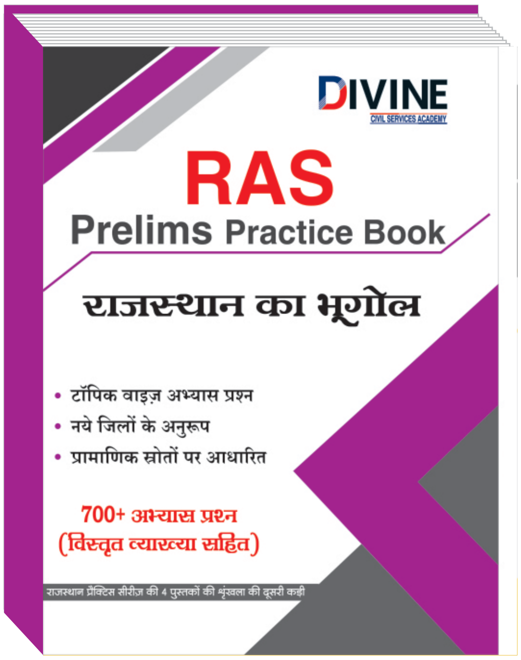

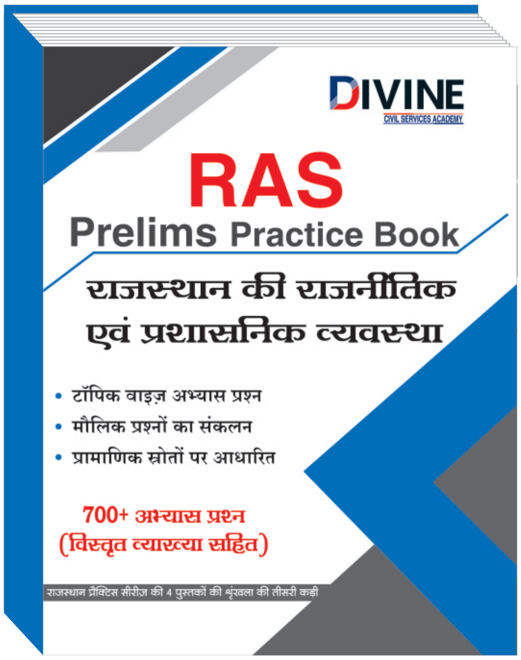

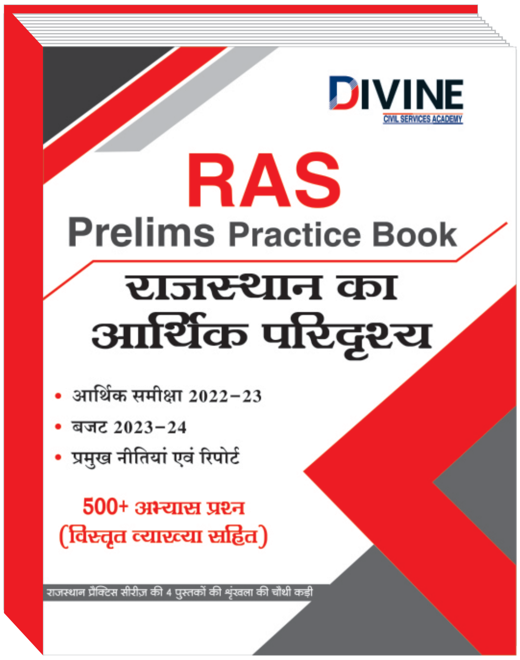

Divine Civil Services Academy
Main Triveni Chauraha, Gopalpura Bypass,
Jaipur-302018 ✆ 900-900-3843
www.divinecivilacademy.com • email: divinecivilacademy@gmail.com

Code : 003

Fixed Price
₹ 100/-

For Trade Orders : College Book Centre, Jaipur ✆ 90010-72000